



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



यंग भारत
तेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण

दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ

प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-271

कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में

उरई (जालौन) रविवार 13 सितम्बर 2026

youngbharatE-paper.com

यूपी सरकार का बड़ा कदम, जमीन मालिकों के लिए 2 बड़ी खुशखबरी

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज़)

प्रदेश में जमीन से जुड़े काम कराने वाले लोगों के लिए सरकार ने बड़ी पहल की है। अब जमीन के बंटवारे और खतौनी से संबंधित कई जानकारियां डिजिटल माध्यम से आसानी से मिल सकेंगी। राजस्व सेवाओं को ऑनलाइन करने के लिए सरकार ने धारा 116 पोर्टल और सरलीकृत खतौनी पोर्टल शुरू किया है। साझी जमीन में अपना हिस्सा अलग कराने के लिए सह-ख़ातेदार अब धारा 116 के तहत ऑनलाइन वाद दाखिल कर सकेंगे। आवेदन के बाद मामले की स्थिति और उस पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी ऑनलाइन देखी जा सकेगी। जीआईएस तकनीक की मदद से जमीन के नक्शे और उसकी भौगोलिक स्थिति से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध होगी। सरलीकृत खतौनी में जमीन का क्षेत्रफल अधिक सटीक तरीके से दर्ज



किया जाएगा। इसमें क्षेत्रफल को छह दशमलव स्थानों तक दिखाया जाएगा। साथ ही पुराने आदेश और बंधक से जुड़ी जानकारी भी व्यवस्थित रूप से देखी जा सकेगी। इससे जमीन के रिकॉर्ड और पुराने स्वामित्व से जुड़ी जानकारी समझना आसान होगा। सरकार की इस पहल से जमीन मालिकों को राजस्व कार्यालयों की अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलने और जमीन से जुड़े कामों में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

45 दिन की शादी, प्रेनैसी की शिकायत लेकर थाने पहुंचा पति, वहीं पर हो गई पत्नी की डिलीवरी. फिर हुआ असली कांड!

(यंग भारत न्यूज़)

प्रदेश के बाराबंकी जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. शादी को अभी बमशिकल डेढ़ महीना ही बीता था कि थाने के ठीक बाहर एक नवविवाहिता ने बच्चे को जन्म दे दिया.यह हाई-वोल्टेज ड्रामा तब शुरू हुआ जब पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों को सुबह थाना बुलाया गया था. पुलिस चौकी के पास मंदिर के नजदीक जब महिला को अचानक लेबर पेन शुरू हुआ, तो वहां हड़कंप मच गया. आनन-फ़ानन में पुलिसकर्मियों ने मदद करते हुए जच्चा-बच्चा को कम्प्युनिटी हेल्थ सेंटर पहुंचाया, जहां से उन्हें जिला महिला अस्पताल रेफर कर दिया गया. लेकिन असली बवाल तो तब मचा जब पति सूरज ने अपनी पत्नी शिवानी के इस तरह अचानक मां बनने पर सवाल खड़े कर दिए. सूरज का दावा है कि शादी के महज 10 दिन बाद देखने के बाद दोनों ने मुर्दाघर के प्रतिबंधित हिस्से में प्रवेश किया और वहां मौजूद शवों के वीडियो बनाने लगे। पुलिस के मुताबिक, उनका मकसद इन वीडियो का इस्तेमाल



गहराई से जांच पड़ताल कर रही है. एक तरफ पति सूरज अपने जीवन में आए इस भूचाल से परेशान था तो वहीं पत्नी शिवानी थाने में अपनी सफाई पेश करते हुए बेहद सनसनीखेज बातें कही. उसका आरोप है कि गांव के उस शख्स ने उसके साथ जबरदस्ती की थी, लेकिन समाज के डर और बदनामी के कारण उसने यह बात किसी को नहीं बताई. इसके अलावा, शिवानी ने यह भी दावा किया कि उसके ससुराल वाले शादी से पहले ही उसकी प्रेनैसी के बारे में सब कुछ जानते थे, जबकि पति सूरज इससे बिल्कुल अनजान होने का दावा कर रहा है. पति और पत्नी के इन आमने-सामने के बयानों ने पुलिस के भी सिरदर्द को बढ़ा दिया है. थाने के बाहर हुई इस डिलीवरी और उसके बाद सामने आए पति-पत्नी के इन बयानों की गुथरी सुलझाने के लिए पुलिस अब हर पहलू पर बारीकी से काम कर रही है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गर्भधारण कब हुआ था, परिवार वालों को सच में कब इसकी भनक लगी थी और शिवानी तथा बच्चे के बीच असल में क्या हुआ था. फिलहाल जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह से स्वस्थ बताए जा रहे हैं, लेकिन पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही इस हाई-वोल्टेज पारिवारिक ड्रामे का पूरा सच बाहर आ जाएगा.

भाई ये तो हद है! मुर्दाघर की चाबी 200 रुपये में ली, अंदर जाकर किया ऐसा कांड; मच गया हड़कंप

(यंग भारत न्यूज़)
चेन्नई के सरकारी स्टेनली अस्पताल के मुर्दाघर में कथित तौर पर अवैध रूप से घुसकर शवों के वीडियो बनाने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि तीनों सोशल मीडिया रील्स के लिए मुर्दाघर के अंदर वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। हालांकि, मजिस्ट्रेट अदालत ने उसी दिन तीनों आरोपियों को जमानत दे दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतीशकुमार (25), दीना उर्फ दिनेशकुमार (30) और शंकर के रूप में हुई है। सतीशकुमार और दीना

चेन्नई के व्यासरपाड़ी इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि दीना टीवीके पार्टी से जुड़ा हुआ है। पुलिस के अनुसार, सतीशकुमार और दीना गुरुवार को सरकारी स्टेनली अस्पताल पहुंचे थे। वे अपने साथी आनंद का शव देखने के लिए अस्पताल आए थे। आनंद एर्नावूर का रहने वाला बताया गया है और पुलिस रिकॉर्ड में उसका नाम हिस्ट्रीशीटर के तौर पर दर्ज था। आरोप है कि शव देखने के बाद दोनों ने मुर्दाघर के प्रतिबंधित हिस्से में प्रवेश किया और वहां मौजूद शवों के वीडियो बनाने लगे। पुलिस के मुताबिक, उनका मकसद इन वीडियो का इस्तेमाल



सोशल मीडिया रील्स के लिए करना था। मुर्दाघर का इलाका प्रतिबंधित होने के बावजूद दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर वहां प्रवेश करने के लिए एक कर्मचारी से चाबी हासिल की। पुलिस के मुताबिक, उन्होंने अस्पताल में बैटरी से चलने वाला वाहन चलाने वाले व्यासरपाड़ी शंकर के जरिए मुर्दाघर के कर्मचारी श्रीनिवासन को 200 रुपये दिए थे। इसके बाद श्रीनिवासन से मुर्दाघर की चाबी हासिल की गई और दोनों आरोपी अंदर पहुंच गए। मुर्दाघर के अंदर दोनों को वीडियो रिकॉर्ड करते हुए अस्पताल के कर्मचारियों ने देख लिया। कर्मचारियों ने तुरंत मेडिकल

अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद अस्पताल की पुलिस चौकी को सूचना दी गई। अस्पताल की ओर से डॉ. मलर ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सतीशकुमार, दीना और शंकर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई के बाद तीनों आरोपियों को उसी दिन मजिस्ट्रेट अदालत के सामने पेश किया। अदालत ने सुनवाई के बाद तीनों को जमानत दे दी। पुलिस अब मामले में मुर्दाघर में प्रवेश करने, चाबी हासिल करने और वहां शवों के वीडियो रिकॉर्ड करने से जुड़े घटनाक्रम की जांच कर रही है।

कानपुर के दो महाठग ने की 5600 करोड़ की सबसे बड़ी साइबर ठगी, लुकआउट नोटिस के बाद हैदराबाद से गिरफ्तार, दोनों पर 86 केस



(यंग भारत न्यूज़)

कानपुर। कानपुर में अब तक की सबसे बड़ी ठगी का राजफाश हुआ है। चमनगंज और बेकनगंज के दो शांति अपराधियों ने ठगी का ऐसा मकड़जाल बुना कि 5600 करोड़ रुपये की बड़ी ठगी कर डाली। पुलिस ने इन्हें हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया। अकेले एक आरोपी पर 86 केस दर्ज हैं। कानपुर पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने 5600 करोड़ रुपये की ठगी से जुड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बेकनगंज के तलाक महल निवासी शाहवेज वारिस को हैदराबाद से गिरफ्तार किया। वहां की अदालत में पेश करने के बाद उसे 48 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर कानपुर लाया गया। उसकी



निशानदेही पर चमनगंज निवासी सलमान को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपित निवेश और डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों से रकम ऐंठने वाले नेटवर्क से जुड़े हैं। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। उनके बैंक खातों, फर्जी कंपनियों

और रकम के लेनदेन की जांच चल रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम को आनलाइन गेमिंग और आनलाइन गेमिंग, क्रिकेट मैच में सट्टा, निवेश और डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों से रकम ऐंठने वाले नेटवर्क से जुड़े नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग

पोर्टल (एनसीआरपी) पर दोनों आरोपितों के खिलाफ कुल 86 शिकायतें दर्ज हैं। इनमें शाहवेज वारिस के 11 बैंक आइपीएल मैच में सट्टा लगाने वालों के खातों समेत कई माध्यमों से इधर-उधर किया जाता था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग

और बैंक खातों के विवरण का मिलान कर रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपितों ने करीब 76 बोगस फर्म तैयार कर रखी थीं। इन फर्मों और उनसे जुड़े बैंक खातों के जरिये ठगी की रकम को अलग-अलग खातों में भेजे जाने की आशंका है। साइबर टीम फर्मों के पंजीकरण, बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, डिजिटल लेनदेन और दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि शाहवेज के खिलाफ 18 अगस्त को मुकदमा दर्ज होने और लुकआउट नोटिस जारी होने के बाद वह दुबई भाग गया था। बाद में उसके हैदराबाद में होने की जानकारी मिलने पर साइबर क्राइम टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब यह भी पता लगाने में जुटी है कि वह दुबई में किसके संपर्क में था और वहां से साइबर ठगी के नेटवर्क का संचालन तो नहीं कर रहा था। 21 अगस्त को वापस आ गया। पर पुलिस ने उसका 24 अगस्त को लुक आउट नोटिस जारी हुआ तो 25 अगस्त को फिर दुबई भाग गया था। परसों वह हैदराबाद एयरपोर्ट पर पहुंचा तो उसे लुक आउट नोटिस जारी होने पर पकड़ लिया गया।

शुक्रवार रात टीम उसे लेकर शहर आई। इस गिरोह में शामिल जाजमऊ के चांद सिद्दी और बेकनगंज निवासी मो. अमान खान 24 अगस्त को पुलिस ने दूसरी ठगी में जेल भेजा था। इसमें चांद के एक खाते में 33.82 करोड़ और अमान के एक खाते में 559 करोड़ के लेनदेन मिले। आरोपित अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। निवेश के नाम पर कम समय में रकम कई गुना करने का झांसा दिया जाता था। वहीं, आनलाइन गेमिंग और क्रिकेट मैच में सट्टे के जरिए मुनाफा कमाने का लालच देकर भी खातों में रकम मंगाई जाती थी। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर क्राइम टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इन तरीकों से कितने लोगों को निशाना बनाया गया। कानपुर में साइबर और आर्थिक अपराध के बड़े मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। दिसंबर 2025 में पुलिस ने रवींद्र सोनी को देहरादून से गिरफ्तार किया था। जांच में उसके खिलाफ करीब 1500 करोड़ रुपये की ठगी के आरोप सामने आए थे। पुलिस इस मामले में चार्जशीट दाखिल

कर चुकी है। आरोपित ने 'ब्लूचिप' नाम से कंपनियों की चेन तैयार कर लोगों को निवेश के बदले 20 से 40 प्रतिशत तक रिटर्न और रकम दोगुनी करने का लालच दिया था। इसी तरह मई 2026 में कानपुर पुलिस ने महफूज अली उर्फ पप्पू छूरी को 3200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और ठगी के मामले में गिरफ्तार किया था। इन मामलों को देखते हुए साइबर टीम शाहवेज और सलमान के नेटवर्क का पुराने मामलों से भी कनेक्शन तलाश रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि 5600 करोड़ रुपये की बताई जा रही ठगी में वास्तव में कितने लोग शामिल हैं और रकम किन-किन खातों में पहुंची। एनसीआरपी की शिकायतों, बैंक खातों और डिजिटल लेनदेन का मिलान कराया जा रहा है। फर्जी फर्मों के अलावा दूसरे लोगों के दस्तावेजों पर खोले गए खातों की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। माना जा रहा है कि जांच आगे बढ़ने पर साइबर ठगी के इस नेटवर्क से जुड़े कई और चेहरे सामने आ सकते हैं।



माना हर दिल में छुपा बचपन आज भी, पर परिपक्व व्यवहार जरूरी है

आचार विचार से महकता है किरदार उम्र का क्यूं फिर खुद से खुद की दूरी है ।। आयु बढ़ रही है या केवल जन्मदिनों की संख्या... ?

यदि वर्षों के साथ अनुभव बढ़ रहा है, लेकिन विवेक नहीं, अधिकार बढ़ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदारी नहीं, स्वतंत्रता बढ़ रही है, लेकिन मर्यादा नहीं...! तो फिर बताएं..... बढ़ती उम्र का अर्थ क्या है.... ????

किसी ने न जाने क्या सोचकर कहा है..... ????

‘आयु चाहे कुछ भी हो, दिल तो बच्चा है जी’।

दोस्तों! पंकित सुंदर है। भीतर के उस बच्चे को जीवित रखने की बात करती है, जो उम्र के साथ भी हँसना, मुस्कुराना, सपने देखना और जीवन का आनंद लाना चाहता है। किन्तु क्या इस पंकित को अपने व्यवहार पर उचित ठहराने का आधार बना लेना भी उचित है... ????

जिसने भी यह पंकित कही किस संदर्भ में कही, उसकी मानसिकता क्या रही होगी और उसके पीछे उसका आशय क्या था— यह जाने बिना उसको जीवन का सिद्धांत बना लेना विचारणीय है..। क्योंकि..... दिल में बचपन रहना और व्यवहार में बचपन रहना एक बात नहीं है।आयु के साथ-साथ आचार, विचार, आहार, व्यवहार, परिवार और देश-परिवेश भी मायने रखते हैं। हमारी उम्र वर्षों की संख्या मात्र नहीं अपितु वह अनुभव, जिम्मेदारी और बदलती भूमिकाओं का नाम भी है। जीवन के प्रत्येक पड़ाव पर बदल जाता है हमारा किरदार। और उस समय हम केवल हम नहीं रहते। हम न जाने कितने ही किरदार निभाते हुए आगे बढ़ते हैं और कई लोगों के लिए रोल मॉडल बन जाते हैं। एक छोटी-सी बच्ची जो ज़किसी की बेटी, किसी की बहन, किसी की सहेली होती है। समय उसे किसी की पत्नी बनाता है और फिर वह स्वयं एक नए जीवन को जन्म देकर माँ बनती है।

माँ बनते ही क्या उसकी भूमिका वही रह जाती है ?

अब उसकी प्रत्येक बात,आदत,और उसका व्यवहार किसी नन्हे जीवन के लिए सीख बन रहा है। बच्चा हमारे उपदेशों से कम और हमारे आचरण से ज्यादा सीखता है।आगे वही माँ परिवार की वरिष्ठ सदस्य, सास, दादी या नानी बन सकती है। पुरुष भी पुत्र, भाई, मित्र, पति, पिता और फिर परिवार के वरिष्ठ सदस्य की भूमिकाओं से गुजरता है।

तो क्या प्रत्येक किरदार में हम केवल वही कह सकते हैं—



दिल तो बच्चा है जी, मुझे जो करना है करने दो.....!!!!

नहीं..... !!!!

दिल बच्चा तो रह सकता है, किंतु

भूमिका का विवेक उम्र के साथ बढ़ा होना चाहिए।

हर रिश्ता हमसे कुछ माँगता है। प्रत्येक भूमिका के साथ जिम्मेदारियां बदलती हैं। और जैसे-जैसे हमारे जीवन से अधिक लोग जुड़ते जाते हैं, हमारे आचरण का प्रभाव भी उतना प्रबल होता जाता है। हमारे आचार और हमारे विचार ही परिपक्वता की पहचान हैं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ विचारों में गहराई भी आनी चाहिए। अपनी इच्छा के साथ-साथ दूसरों की भावनाओं, अधिकारों और आवश्यकताओं को समझने की क्षमता भी विकसित होनी चाहिए। आचार संस्कार को दिखाता है,विचार दृष्टि देते हैं, और हमारा व्यवहार व्यक्तित्व बताता है,आहार जीवनशैली और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करता है।और परिवार तथा परिवेश हमें यह सिखाते हैं कि हम सिर्फ अपने लिए नहीं, अपितु एक व्यापक सामाजिक ताने-बाने का हिस्सा हैं। बात परिपक्वता की आती है तो इसका अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति हँसना या खुश रहना छोड़ दे। इसका अर्थ है—कब बोलना है, कहाँ रुकना है और किस परिस्थिति में क्या उचित है और अपनी स्वतंत्रता के साथ कितनी जिम्मेदारी निभानी है इसका विवेक होना परिपक्वता है। अब यदि वेशभूषा की बात करें तो स्वतंत्रता के साथ अवसर और भूमिका का विवेक अर्थात वेशभूषा व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद, सुविधा, संस्कृति और व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति है। सिर्फ कपड़ों के आधार पर किसी के चरित्र का निर्णय करना उचित नहीं लेकिन क्या पहनावे में आयु, अवसर, भूमिका और परिवेश का विचार करना परिपक्वता का हिस्सा नहीं हो

सकता.... ??? एक माँ अपनी बेटी के साथ आधुनिक हो सकती है, सुंदर दिख सकती है, अपनी पसंद के वस्त्र पहन सकती है और उसके साथ मित्रवत रह सकती है। माना कि आधुनिकता चश्मा पहन आकर्षक दिखने में कोई दोष नहीं। किन्तु ,क्या स्वयं को हर समय संतान की उम्र के अनुरूप प्रस्तुत करने की होड़ आवश्यक है क्या..... ???? एक माँ को अपनी बेटी से कम सुंदर या कम आधुनिक दिखने की आवश्यकता नहीं लेकिन अपनी उम्र और मातुत्व की गरिमा को स्वीकार करने में भी कोई बुराई नहीं। बात यह नहीं कि क्या पहन—बात यह है कि कहाँ, कब, क्यों और किस भूमिका में क्या पहनना उचित है।यही अंतर पसंद और विवेक के बीच है। उम्र को छिपाना नहीं, उसे गरिमा के साथ स्वीकार करना भी एक सौंदर्य है। माता-पिता आज क्या दे रहे हैं?यहाँ से महत्वपूर्ण प्रश्न जन्म लेता है। यदि हम अपनी प्रत्येक इच्छा को स्वतंत्रता,अपनी मनमानी को आधुनिकता और अपरिपक्व व्यवहार को ‘दिल तो बच्चा है जी’ कहकर सही ठहराने लेंगें, तो.....! सोचिएगा..! आज माता-पिता अपनी संतानों को क्या दे रहे हैं?और उनकी संतानें आने वाली पीढ़ी को क्या देंगें?बच्चों को हम अच्छी शिक्षा तो देते हैं, धन-संपत्ति देते भी हैं, सुविधाएँ और तकनीक दे भी दे रहे हैं। किन्तु क्या हम उन्हें विवेक, संयम, संवेदना, अनुशासन, कर्तव्यबोध और रिश्तों का सम्मान भी दे रहे हैं..... ??????? क्योंकि बच्चे हमारे शब्दों को कम सुनकर और हमारे जीवन को देखते अधिक हैं।हम कहते हैं—बड़ों का सम्मान करो,लेकिन जब वे हमें बड़ों का निरादर करते देखें तो क्या सीखेंगे.... ???? हम संयम का पाठ पढ़ाएँ और स्वयं को प्रत्येक इच्छा को उचित ठहराएँ, तो फिर बताएं आखिर वे किसे सच मानेंगे... ? संस्कार भाषणों से नहीं, आचरण से पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते हैं। आज का बच्चा कल का माता-पिता है। आज वह अपने घर में जो देख रहा है, कल वही किसी न किसी रूप में अपनी संतान के सामने रखेगा। इसलिए सोचिए कि,हम सिर्फ अपना वर्तमान ही नहीं जो रहे अपितु,हम आने वाली पीढ़ी का भविष्य भी लिख रहे हैं....! आधुनिकता चाहिए, किन्तु विवेक के साथ। समय बदलता है, वेशभूषा बदलती है, जीवनशैली बदलती है, विचार बदलते हैं। नई पीढ़ी का अपने समय के अनुरूप आगे बढ़ना स्वाभाविक है। प्रश्न यहाँ पर परिवर्तन का विरोध करना नहीं है,प्रश्न यह है कि परिवर्तन में हम क्या बचाकर रख रहे हैं.... ? ?स्वतंत्रता तो हो,

पर साथ ही उत्तरदायित्व का बोध भी हों, आधुनिकता तो हो, पर मर्यादा भी....! उत्साह तो हो, पर विवेक भी....! सुविधाएँ तो हों, पर संस्कार भी....! बचपन तो हो, पर बचकानापन नहीं.....!

क्योंकि आधुनिक होने के लिए अपनी जड़ों को छोड़ना आवश्यक नहीं और संस्कारी होने के लिए समय से पीछे रहना भी आवश्यक नहीं। अंत में मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगी दिल में उस बच्चे को अवश्य जीवन्त रखिए—हैंसिए, मुस्कुराइए, सपने देखिए, नई चीजें सीखिए और जीवन को भरपूर जीयें किंतु !! अपने भीतर के माता-पिता, जीवनसाथी,बेटा बेटी जगमूत रखिए। क्योंकि जीवन हम सिर्फ और सिर्फ अपने लिए ही नहीं जीते। हमारे प्रत्येक पड़ाव पर कोई न कोई हमें देख रहा होता है, हमसे सीख रहा होता है और हमारे व्यवहार से अपना कल गढ़ रहा होता है। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि यह ‘दिल बच्चा है या नहीं’ ?

प्रश्न यह है ..! ‘क्या हमारा विवेक हमारी उम्र के बराबर बढ़ा हुआ है?’

क्या हमारी आयु के साथ हमारा आचार बदला है..... ????

क्या हमारे विचारों में परिपक्वता आई..... ??

क्या हमारे व्यवहार में गरिमा आई... ?? क्या हमें स्वयं अपनी उस भूमिका का बोध हुआ ????

क्या हमने अपनी संतानों को सिर्फ अधिकार दिए या जिम्मेदारियाँ भी सिखाई..... ????

क्योंकि मेरे दोस्तों! उम्र का बढ़ना प्रकृति है, परिपक्व होना हमारे संस्कार है। और हमारा आचरण ही आने वाली पीढ़ी के लिए सबसे बड़ी विरासत है। आज की पीढ़ी को देखकर यह मत पूछिए कि ‘बच्चे ऐसे क्यों हैं’ ?‘पहले यह पूछिए ‘वे हमारे बीच रहकर ऐसे बने तो कैसे’ ?’

और फिर स्वयं से एक आखिरी प्रश्न कीजिएगा कि— क्या हम अपनी संतानों को सिर्फ जीवन दे रहे हैं या ऐसा जीवन भी दे रहे हैं जिसे वे अपनी अगली पीढ़ी के लिए आदर्श बना सकें? क्योंकि आने वाली पीढ़ी का चरित्र कल नहीं बनेगा...! वह आज हमारे घरों में, हमारे आचरण में, हमारी सोच में और हमारी जीवनशैली में प्रतिपल क्षण क्षण लिखा जा रहा है....!

लेखिका सीमा शर्मा' तमन्ना' हिंदी साहित्य की अधिकारिक विद्वान तथा साहित्य विद हैं

दूसरा होता तो थप्पड़ मार.पूनम ढिल्लन, पद्मिनी कोल्हापुरे, उपासना सिंह पर क्यों भड़की पुलिस?

(यंग भारत न्यूज) टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन के मुंबई ऑफिस के बाहर एक्टर्स के बीच हो रहे विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सिंटा की अध्यक्ष पूनम ढिल्लन, पद्मिनी कोल्हालपुरे और कमेटी की दूसरी सदस्य एक्ट्रेस उपासना सिंह, कुनिका सदानंद को आपस में बहस करते हुए देखा जा सकता है।

इस वीडियो में नजर आ रहा है कि महिला पुलिस अधिकारी शांति रखने की अपील करती है। लेकिन माहौल बिगड़ता देखा वो दोनों पक्षों पर भड़क उठती है। कुनिका कुनिका ने आरोप लगाया कि सिंटा के जरूरी पेपरवर्क, फाइल्स ऑफिस से अध्यक्ष पूनम ढिल्लन की गाड़ी में रखवा दिए गए। वीडियो में कुनिका, एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे से सवाल पूछते नजर आ रही हैं। दोनों एक्ट्रेस अपने बचाव में बात करती दिख रही हैं। पुलिस और भीड़ को देखकर यह मत पूछिए कि ‘बच्चे ऐसे क्यों हैं’ ?‘पहले यह पूछिए ‘वे हमारे बीच रहकर ऐसे बने तो कैसे’ ?’

और फिर स्वयं से एक आखिरी प्रश्न कीजिएगा कि— क्या हम अपनी संतानों को सिर्फ जीवन दे रहे हैं या ऐसा जीवन भी दे रहे हैं जिसे वे अपनी अगली पीढ़ी के लिए आदर्श बना सकें?

क्योंकि आने वाली पीढ़ी का चरित्र कल नहीं बनेगा...! वह आज हमारे घरों में, हमारे आचरण में, हमारी सोच में और हमारी जीवनशैली में प्रतिपल क्षण क्षण लिखा जा रहा है....!

लेखिका सीमा शर्मा' तमन्ना' हिंदी साहित्य की अधिकारिक विद्वान तथा साहित्य विद हैं



पर दोनों पक्षों में बहस होती दिखी। दोनों पक्षों को शांत करवाते दिखे। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ‘मुझे इस तरह से बात करते हुए बुरा लग रहा है। हम इस तरह से झुगगी बस्ती के लोगों के साथ भी बात नहीं करते।’ अधिकारी ने आगे कहा, ‘कम से कम अपनी इज्जत का खयाल करिए। लोग आपको देख रहे हैं। आप अपनी पर अड़ी हुई हैं और हमारी बात नहीं सुन रही हैं। दूसरा कोई होता तो हम थप्पड़ मार देते। हम आपको इज्जत कर रहे हैं।’ आगे उपासना सिंह ने पुलिस से कहा कि वो पेपर्स वापस मंगवा ले जो भेज दिए गए हैं। इसके जवाब में पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये उनका काम नहीं है। अगर उन्होंने पेपर्स के साथ छेड़छाड़ की तो लेकर कमीशन उनसे जवाब मांगेगा। कुनिका ने भी लगातार पेपर गाड़ी में भेजे जाने को लेकर विवाद किया। दोनों पक्षों के बीच हुई

इस बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें, अगस्त में सिंटा के 11 लोगों ने कमेटी की अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की शिकायत करते हुए अपने पदों से रिजाइन कर दिया था। सभी ने एक लेटर लिखकर ये आरोप लगाया था कि पूनम ढिल्लन और पद्मिनी कोल्हापुरे ने बिना कमेटी को जानकारी दिए कई फैसले लिए। ये भी आरोप था कि दोनों ने अपने निजी ईमेल आईडी से अधिकारियों को ईमेल किए। दोनों एक्ट्रेसेंज पर ये भी आरोप लगा कि बिना सलाह-मशविरा के इन्होंने अपने हिसाब से काम किया। इनके तरीकों से कमेटी के लोग खुश नहीं थे। अंत में 50% से ज्यादा लोगों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और दोबारा चुनाव की मांग की। अब सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें दोनों एक्ट्रेस अपनी कार में कमेटी के पेपर्स अपने घर ले जाती दिख रही हैं। एक ही कमेटी के बीच का ये विवाद लंबे समय से चला रहा है। इस कमेटी में विंदु दारा सिंह, मुकेश ऋषि, जया भट्टाचार्या, कंवर्जित पेंटल,यशपाल शर्मा, रजित कपूर, ईला अरुण जैसे कलाकार कमेटी का हिस्सा हैं।

पहले स्वतंत्र भारद्वाज ने मारपीट की अब पड़ोसी कर रहे परेशान, 20 दिन में घर छोड़ने को कहा, परिवार ‘बदलेगा अपना धर्म’ ..

(यंग भारत न्यूज) जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दलित लड़की निशु आजाद के पिता से स्वतंत्र भारद्वाज ने मारपीट की थी. इस मामले में अब नया अपडेट सामने आया है. पीड़ित परिवार की ओर से धर्म परिवर्तन को लेकर बड़ा बयान सामने आया है.

पीड़ित छात्रा ने कहा है कि उनका परिवार बौद्ध धर्म के विचारों को मानता है और जल्द ही औपचारिक तौर पर बौद्ध धर्म अपना सकता है. परिवार का कहना है कि वह विचारों के लेवल पर पहले ही बौद्ध धर्म को मानने लगा है और दस्तावेजों में भी इसे जल्द दर्ज कराया जाएगा. दरअसल, जंतर-मंतर पर काँकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान कथित हिंदूवादी कार्यकर्ता स्वतंत्र भारद्वाज ने निशु आजाद के पिता पर हमला कर दिया था. घटना के बाद सोशल मीडिया पर स्वतंत्र भारद्वाज से जुड़ा एक वीडियो सामने आया, जिसमें उन्होंने कथित तौर



पर घटना का जिक्र किया था. इसके बाद मामला राजनीतिक और सामाजिक तौर पर चर्चा में आ गया. दिल्ली पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए स्वतंत्र भारद्वाज को गिरफ्तार किया. उस पर एएससी एस्टी एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है. बाद में अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया. लाइव छात्रा से जब धर्म को लेकर सवाल किया गया तो उसने खुद को बौद्ध धर्म मानने

वाला बताया. छात्रा ने कहा कि परिवार विचारों से बौद्ध हो चुका है और जल्द ही दस्तावेजों में भी धर्म परिवर्तन दर्ज कराया जाएगा. परिवार ने अपने फैसले को डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन से भी जोड़ा. छात्रा का कहना था कि बाबा साहेब ने भी अपने जीवन के अंतिम दौर में बौद्ध धर्म अपनाया था और उनका परिवार भी इसी विचारधारा को आगे बढ़ाना चाहता है. धर्म परिवर्तन के बयान के साथ पीड़ित परिवार ने अपने आसपास के लोगों को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. परिवार का कहना है कि स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी के बाद उन्हें पड़ोसियों की ओर से परेशान किया जा रहा है. परिवार ने यह भी दावा किया है कि जिस सोसाइटी में वे रहते हैं, वहाँ उनके खिलाफ विरोध का माहौल बनाया गया. रिपोर्ट के अनुसार, परिवार का आरोप है कि मकान मालिक ने उन्हें करीब 20 दिन में घर खाली करने के लिए कहा है. परिवार ने इस स्थिति को मौजूदा विवाद से जोड़कर देखा है.

थाना समाधान दिवस में मात्र दो फरियादियों ने शिकायतें दर्ज कराईं

(यंग भारत न्यूज) जालौन-उरई। तहसीलदार की अध्यक्षता में आयोजित हुए थाना समाधान दिवस में मात्र दो फरियादियों ने शिकायतें दर्ज कराईं। मौके पर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका।

तहसीलदार अभिनव द्विवेदी की अध्यक्षता में कोतवाली परिसर में थाना समाधान दिवस में मात्र दो ही फरियादी पहुंचे। जिसमें राजस्व से संबंधित शिकायत लेकर पहुंचे ग्राम कैथ के प्रधान रावबंधू सिंह गुर्जर ने बताया कि उनके गांव के ही कुछ लोगों ने सरकारी जमीन का सीमांकन तोड़ दिया है। उन्होंने सीमांकन की जांच कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की। एक शिकायत पुलिस विभाग से संबंधित दर्ज हुई। लेकिन मौके पर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका। तहसीलदार ने दोनों शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपकर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर प्रभारी कोतवाल लालबाबू मिश्रा, एसएसआई संजय कुमार यति, सदर लेखपाल वैभव त्रिपाठी आदि रहे।

फूफा के डांटने से नाराज किशोर घर से भागा, पुलिस ने किया परिजनों के सुपुर्द

जालौन-उरई। फूफा के यहां रह रहा किशोर फूफा के डांटने से नाराज होकर घर से भाग आया और गुड़गांव जाने के लिए बस पर पहुंच गया। शक होने पर स्टॉफ ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को बुलाकर किशोर को उनके सुपुर्द कर दिया। माथौगढ़ थाना क्षेत्र निवासी बिरजू पत्नी के साथ गुढ़गांव में नौकरी करते हैं। उन्होंने कुछ समय के लिए अपने बेटे अभय (12) को रेंडूर थाना क्षेत्र के ग्राम क्योलारी में रहने वाले फूफा के यहां छोड़ दिया था। वह पिछले कुछ समय से क्योलारी में अपने फूफा के यहां ही रह रहा था। शुक्रवार की दोपहर किसी बात पर फूफा ने उसे डांट दिया तो वह घर छोड़कर भाग आया। जालौन आकर वह गुड़गांव जाने के लिए बस के टिकट काउंटर पर पहुंच गया। 12 वर्षीय बच्चे को अकेले देखकर जब वही मौजूद लोगों ने उससे बात की तो वह घबरा गया और उसने सारी बात बता दी। जिसके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के परिजनों को बुलाया और अभय को उनके सुपुर्द कर दिया।

12 साल पहले खत्म हो गई थी इस महिला की कहानी! पति-ससुर जेल पहुंच गए, फिर अचानक सामने आया ऐसा राज कि पुलिस भी रह गई दंग

(यंग भारत न्यूज) रोहतास जिले के डेहरी मुफरिसल थाना क्षेत्र के दहाउर गांव की रहने वाली सरस्वती देवी वर्ष 2014 में अचानक लापता हो गई थीं। उनके गायब होने के कुछ दिनों बाद नहर से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। मायके वालों ने उस शव की पहचान सरस्वती देवी के रूप में की थी। इसके बाद पूरा मामला हत्या की दिशा में चला गया। शव की पहचान होने के बाद महिला के मायके वालों ने उसके पति अरुण मेहता और ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर पति और ससुर समेत आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज

दिया।

शव का पोस्टमार्टम कराया गया और बाद में उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। परिवार को लगा कि महिला की ज़िंदगी का अंत हो चुका है। करीब 12 साल बाद ससुराल पक्ष के लोगों को ऐसी सूचना मिली, जिसने पूरे मामले को उलट दिया। खबर मिली कि जिस महिला को मृत मान लिया गया था, वह दरअसल ज़िंदा है और झारखंड के गढ़वा जिले में रह रही है। रोहतास पुलिस की विशेष टीम झारखंड के गढ़वा जिले पहुंची। जांच के बाद पुलिस ने महिला को वहां से सकुशल बरामद कर लिया। रिपोर्टों के मुताबिक, महिला वहां अपनी पहचान बदलकर रह

रही थी और उसका नाम कौंति देवी बताया जा रहा था। पुलिस उसे सासाराम लेकर आई और अदालत में पेश किया। महिला के ज़िंदा मिलने के बाद इस पूरे मामले की सबसे बड़ी गुल्थी यही बन गई है कि 2014 में नहर से जो शव मिला था, वह आखिर किस महिला का था? जिस शव की पहचान सरस्वती देवी के रूप में की गई थी, उसका पोस्टमार्टम भी हुआ और अंतिम संस्कार भी कर दिया गया था। अब पुलिस के सामने उस अज्ञात शव की असली पहचान पता लगाने की चुनौती है। इस पूरे घटनाक्रम ने पुलिस की जांच पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिससे दोनों गांवों के गोवंश खुले घूम रहे हैं तथा हत्या के मामले में पति, ससुर और परिवार



के अन्य लोगों को जेल भेजा गया था, उसकी बुनियाद ही अब सवालों के घेरे में

है। अगर बरामद महिला वही है, जिसे 12 साल पहले मृत माना गया था, तो फिर उस

समय शव की पहचान कैसे हुई—यह जांच का अहम हिस्सा बन गया है। महिला के बरामद होने के बाद रोहतास पुलिस ने मामले की जांच नए सिरे से शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला इतने वर्षों तक कहाँ रही, उसने अपनी पहचान क्यों बदली और 2014 में नहर से मिला शव किसका था। पुलिस के मुताबिक, महिला के खिलाफ शव किसका था, महिला इतने साल कहाँ रही और आखिर 2014 में पूरा मामला किस तरह इस मोड़ पर पहुंचा था। यानी 12 साल पुरानी जिस कहानी को एक हत्या मानकर बंद कर दिया गया था, उसका सबसे बड़ा राज अब दोबारा खुल गया है।

हैं। 12 साल तक एक परिवार को लगा कि उनकी बेटी की हत्या हो चुकी है, जबकि अब वही महिला ज़िंदा सामने आ गई है। दूसरी तरफ नहर से मिला शव आज भी एक रहस्य बना हुआ है। महिला के मिलने के बाद कहानी खत्म नहीं हुई है, बल्कि असली जांच अब शुरू हुई है। पुलिस को अब यह पता लगाना है कि वह शव किसका था, महिला इतने साल कहाँ रही और आखिर 2014 में पूरा मामला किस तरह इस मोड़ पर पहुंचा था। यानी 12 साल पुरानी जिस कहानी को एक हत्या मानकर बंद कर दिया गया था, उसका सबसे बड़ा राज अब दोबारा खुल गया है।

नवागंतुक डीएम समीर ने अधिकारियों के साथ की बैठक, ‘सेवा संकल्प अभियान’ की तैयारियों को लेकर दिए दिशा-निर्देश

-17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, सेवा, सुशासन और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। नवागंतुक जिलाधिकारी समीर ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में समस्त जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर शासन की प्राथमिकताओं एवं आगामी ‘सेवा संकल्प अभियान’ की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक जनभागीदारी कराई जाए तथा योजनाओं के लाभार्थियों और जनपद की उपलब्धियों को प्रमाणिक रूप से सामने लाया जाए। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा और इसका उद्देश्य 25 वर्षों की जनसेवा की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाते हुए नागरिकों को ‘विकसित भारत-2047’ के सामूहिक संकल्प से जोड़ना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान में 12 प्रमुख कार्यक्रम, त्रिस्तरीय समन्वय



व्यवस्था, साप्ताहिक समीक्षा तथा डेटा संकलन एवं डिजिटलाइजेशन पर विशेष जोर रहेगा। कार्ययोजना के अनुसार ‘आशीर्वाद का दिया’ के तहत 17 सितंबर को शाम 7 बजे दीप प्रज्वलन, रक्तदान कार्यक्रम, वृक्षारोपण, स्वच्छता, संस्थानों में डिबेट और प्रदर्शनी आयोजित होगी। ‘नमो सेवा-अनकही कहानियाँ’ के अंतर्गत 18-20 कलाकारों की टोलियों द्वारा गांव-गांव नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सेवा एवं विकास की कहानी पहुंचाई जाएगी। ‘आंगन मिलन सेवा’ के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम, कार्यक्रमियों, आशा दीदीयों एवं उत्कृष्ट माताओं का सम्मान, स्वस्थ बेबी प्रतियोगिता तथा पोषण सामग्री वितरण होगा। ‘सेवा की

कहानी’ के तहत लाभार्थियों के जीवन में आए बदलावों पर 60 सेकंड की रील बनाई जाएगी, जबकि डिजिटल इन्फ्लुएंसर को परिवर्तनकारी परियोजनाओं का भ्रमण कराया जाएगा। इसी क्रम में ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ के माध्यम के जरिए जल, जन और सेवा का संवाद तथा ‘सेवा मेरा योगदान’ के अंतर्गत रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति, पोषण, वोकल फॉर लोकल, गौशाला सेवा सहित 25 सेवा गतिविधियों में जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक विधानसभा में न्यूनतम दो स्थलों का कायाकल्प तथा 25 मिनट श्रमदान का प्रावधान भी है। ‘सेवा के रंग, राष्ट्र के संग’ में भारत मंडल एवं मानव रंगोली, ‘सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज’ में

युवाओं, विद्यार्थियों और स्टार्टअप को राष्ट्रीय मंच तथा ‘सुशासन सेवा संवाद’ में जनप्रतिनिधियों द्वारा विकसित भारत-2047 का संकल्प एवं बंदे मातरम् गायन प्रस्तावित है। अभियान के अंतर्गत प्रमुख स्मारकों पर लेजर शो, तीर्थस्थलों पर महायज्ञ एवं विशेष अनुष्ठान, 25 सितंबर को पुस्तकालयों का लोकार्पण तथा ग्राम चौपालों के माध्यम से जनता से सीधा संवाद भी होगा। साथ ही जनपदवार महत्वपूर्ण धार्मिक-सांस्कृतिक स्थल, अवस्थापना एवं कनेक्टिविटी परियोजनाएं, शिक्षा एवं कौशल, स्वास्थ्य एवं खेल, पंचायती राज एवं सुशासन तथा हस्तशिल्प एवं स्थानीय उद्यमियों की सफलता की कहानियों का डेटा-बैंक तैयार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को अभियान की मीडिया कवरेज, सफलता की कहानियों एवं रील्स का व्यापक प्रचार-प्रसार, प्रिंट मीडिया समन्वय, उपलब्धियों पर लेख-साक्षात्कार, सोशल मीडिया कार्ययोजना तथा इन्फ्लुएंसर प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से अभियान को जनभागीदारी और सेवा भावना का व्यापक स्वरूप दें, ताकि सेवा, सुशासन और विकास का संदेश प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे।

मानसिक रूप से बीमार वृद्ध की पाताली कुएं में गिरकर मौत मामला रामपुरा के गोरा चिरैया में हुआ दर्दनाक हादसा

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन) थाना रामपुरा क्षेत्र के ग्राम गोरा चिरइया में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। मानसिक रूप से बीमार 70 वर्षीय वृद्ध की गांव के पाताली कुएं में गिरने से मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।
मृतक की पहचान संतराम प्रजापत पुत्र मटरू प्रजापत उम्र 70 वर्ष के रूप में हुई है। बताया गया है कि शनिवार सुबह करीब 5 बजे संतराम गांव में स्थित प्राइमरी स्कूल के पास बने सागर कुएं के पास घूम रहे थे, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से कुएं में गिर गए। कुएं में गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे और संतराम को कुएं से बाहर निकालने का प्रयास करने लगे। ग्रामीणों की मदद से जब तक उन्हें बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने बताया कि गांव का यह कुआं पाताली कुआं है और लगभग 10 वर्षों से इसका उपयोग नहीं किया जा रहा है। मृतक के तीन पुत्र हैं – संजय, ठाकुर व प्रदीप, जिनका विवाह हो चुका है। बड़े पुत्र संजय व ग्रामीणों ने बताया कि संतराम पिछले काफी समय से मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे, जिनका इलाज चल रहा था। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना पाकर उमरी चौकी इंचार्ज भारत सिंह मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

नवागंतुक जिलाधिकारी समीर ने संभाली जालौन की कमान, कोषागार में ग्रहण किया पदभार जनहित सर्वोच्च प्राथमिकता, पारदर्शी एवं संवेदनशील प्रशासन पर रहेगा जोर



उरई (जालौन)। जनपद जालौन के नवागंतुक जिलाधिकारी समीर ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कोषागार में पहुंचकर विधिवत रूप से जिलाधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कलेक्ट्रेट के विभिन्न विभागों एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए जनपद में शासन की योजनाओं एवं विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की प्राथमिकता पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ ही विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं संवेदनशील बनाया जाएगा तथा जनपद के विकास को गति देने के लिए सभी विभागों के मध्य बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, उप जिलाधिकारी उरई कुमार उत्तम, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चों के भरोसे खुल रहा विद्यालय? दशहरी स्कूल में शिक्षकों की लेटलतीफी के आरोप

-ग्रामीणों ने शिक्षकों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की जांच की मांग उठाई, नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। कदौरा ब्लॉक के दशहरी गांव स्थित कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी सामने आई है। ग्रामीणों ने विद्यालय में शिक्षकों की कथित अनियमित उपस्थिति और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों से जांच की मांग की है।
ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में कुछ शिक्षक निर्धारित समय पर नहीं पहुंचते हैं। आरोप है कि कुछ शिक्षक सुबह करीब नौ बजे तो कुछ 10 बजे तक विद्यालय पहुंचते हैं। इससे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होने के साथ



ही बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार बच्चों को ही विद्यालय की चाबी सौंपकर शिक्षक चले

जाते हैं। यदि ग्रामीणों के ये आरोप सही पाए जाते हैं तो नौनिहालों की सुरक्षा और उनकी पढ़ाई की जिम्मेदारी को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। ग्रामीणों ने शिक्षक केशवन्दन, रवि समेत एक महिला शिक्षिका की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि विद्यालय में कथित अव्यवस्थाओं की स्थिति कोई एक दिन की नहीं, बल्कि काफी समय से बनी हुई है। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर विद्यालय का निरीक्षण कराने तथा शिक्षकों की उपस्थिति और शिक्षण कार्य की वास्तविक स्थिति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

उरई पुलिस ने रंगे हाथों दबोचे 8 जुआरी फड़ से 1.37 लाख रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद

(यंग भारत न्यूज)
उरई। उरई कोतवाली पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जुआ खेल रहे आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 1 लाख 37 हजार 500 रुपये नकद, 52 ताश के पत्ते और आठ मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

उरई कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार सिंह के अनुसार शनिवार को क्षेत्र में पुलिस गश्त एवं चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को जुआ खेले जाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आठ लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में भूपेंद्र पटेल निवासी सिमिरिया हाल मैकेनिक नगर, उत्तम सिंह पटेल निवासी गायर हाल पर्वतपुरा, हेमंत कुमार निवासी कुंवरपुरा, यशवीर सिंह निवासी खुर्जुरा हाल मैकेनिक नगर, आशुतोष पटेल निवासी पतियारा, राघवेंद्र सिंह पटेल निवासी बड़उआं हाल नया पटेल नगर, पवन कुमार पटेल निवासी धनौराकालं हाल मैकेनिक नगर तथा रामजी पांडेय निवासी राजेंद्र नगर, उरई शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक मौके पर जुए के फड़ से 1 लाख 24 हजार 100 रुपये बरामद हुए, जबकि आरोपियों की तलाशी लेने पर 13 हजार 400 रुपये अतिरिक्त मिले। इस प्रकार कुल 1 लाख 37 हजार 500 रुपये नकद बरामद किए गए। इसके अलावा 52 ताश के पत्ते और आठ मोबाइल फोन भी पुलिस ने कब्जे में लिए। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में कई के खिलाफ पूर्व में भी जुआ खेलने सहित अन्य मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। उत्तम सिंह, हेमंत कुमार, आशुतोष पटेल और रामजी पांडेय के खिलाफ पूर्व में जुआ अधिनियम के तहत मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है, जबकि कुछ आरोपियों का अन्य धाराओं में भी आपराधिक रिकॉर्ड बताया गया है। पुलिस की कार्रवाई से जुआरियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने क्षेत्र में अवैध जुआ एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही है।



जालौन)। शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायालय उरई में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने न्यायालय परिसर का निरीक्षण किया।
शनिवार सुबह एसपी डॉ. सोनी जिला न्यायालय परिसर पहुंचे। उन्होंने पूरे न्यायालय परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मुख्य प्रवेश द्वार एवं निकास द्वार पर तैनात पुलिस बल की चेकिंग व्यवस्था, आगंतुकों की तलाशी, न्यायालय कक्षों के बाहर की सुरक्षा तथा परिसर के महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी संख्या में वादकारी, अधिवक्ता एवं आमजन की भीड़ उमड़ेंगी, इसलिए सभी को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ ड्यूटी करनी है। अपर पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि न्यायालय परिसर में आने वाले प्रत्येक संदिग्ध व्यक्ति एवं वस्तु पर विशेष निगरानी रखी जाए। बिना जांच के किसी भी व्यक्ति को परिसर के अंदर प्रवेश न करने दिया जाए। पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखा जाए ताकि यातायात बाधित न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल को मुस्तैद रहना है और उच्चाधिकारियों को पल-पल की सूचना देनी है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राष्ट्रीय लोक अदालत को शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं।

उच्च प्राथमिक विद्यालय में मिशन शक्ति अभियान चलाया

-छात्राओं को शरीर के अच्छे स्पर्श तथा बुरे स्पर्श की जानकारी देकर किया गया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। शासन की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति अभियान के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय हरीगंज कालपी में छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से महिला सब इंस्पेक्टर ममता कुमारी की मौजूदगी तथा प्रधानाचार्य प्रदीप निगम की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कोतवाली की मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक ममता कुमारी ने छात्राओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए कहा कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में निडर होकर पुलिस से सहायता प्राप्त करें।
शनिवार को विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महिला उपनिरीक्षक ममता कुमारी ने छात्राओं को शरीर के अच्छे स्पर्श तथा बुरे स्पर्श की जानकारी देते हुए अवगत कराया कि बच्चे को दुलार, प्यार, सुरक्षा महसूस होने पर गुड टच माना जाता है। जबकि बैड टच में बच्चे असहज महसूस करते, डर लगता है। अगर कोई व्यक्ति रास्ते में या अन्य जगह गलत हरकत करता है तो अपने माता-पिता, अभिभावक को बतायें तथा शिक्षकों को जानकारी



दें। उन्होंने छात्राओं की सुरक्षा के लिए महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर अपराध या अन्य अपराध की स्थिति में तत्काल इन सेवाओं का उपयोग करें। उन्होंने छात्राओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अजनबियों से सतर्क रहने तथा आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मिशन शक्ति टीम के कर्मचारियों से संवाद स्थापित कर छात्राओं ने भी सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे। विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका आदि ने जनजागरूकता अभियान की सराहना की है। कार्यक्रम में महिला सिपाहियों समता देवी, नेहा देवी, प्रीति त्यागी के अलावा छात्राओं की मौजूदगी रही।

बारिश से विधवा का मकान ढहा, मुआवजा व पक्के आवास की मांग

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। लगातार हो रही बारिश के चलते थाना व कस्बा कुर्छौद में एक विधवा महिला का कच्चा मकान ढेर रात अचानक ढह गया। हादसा करीब तीन बजे हुआ। गनीमत रही कि महिला समय रहते बाहर निकल गई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि मकान गिरने से गृहस्थों का पूरा सामान मलबे में दब गया। पीड़िता ने करीब 80 से 90 हजार रुपये के नुकसान का अनुमान जताया है।
जानकारी के अनुसार मोती कुंवर पत्नी स्वर्गीय शिवकुमार दोहरे निवासी कुर्छौद रात में अपने मकान में सो रही थीं। करीब तीन बजे अचानक मकान ढहने की आवाज सुनकर उनकी नींद खुल गई। महिला आनन-फानन में बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रही। उनके शोर मचाने पर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व डायल-112 को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला से घटना की जानकारी ली और उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। पीड़िता ने बताया कि वह विधवा हैं और उनके पास रहने के लिए सुरक्षित पक्का मकान नहीं है। उन्होंने प्रशासन से बारिश से हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने तथा सरकारी योजना के तहत पक्का आवास उपलब्ध कराने की मांग की है।

लोक अदालत को लेकर पुलिस अलर्ट, एसपी ने न्यायालय की सुरक्षा का लिया जायजा



उरई (जालौन)। शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायालय उरई में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने न्यायालय परिसर का निरीक्षण किया।
शनिवार सुबह एसपी डॉ. सोनी जिला न्यायालय परिसर पहुंचे। उन्होंने पूरे न्यायालय परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मुख्य प्रवेश द्वार एवं निकास द्वार पर तैनात पुलिस बल की चेकिंग व्यवस्था, आगंतुकों की तलाशी, न्यायालय कक्षों के बाहर की सुरक्षा तथा परिसर के महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी संख्या में वादकारी, अधिवक्ता एवं आमजन की भीड़ उमड़ेंगी, इसलिए सभी को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ ड्यूटी करनी है। अपर पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि न्यायालय परिसर में आने वाले प्रत्येक संदिग्ध व्यक्ति एवं वस्तु पर विशेष निगरानी रखी जाए। बिना जांच के किसी भी व्यक्ति को परिसर के अंदर प्रवेश न करने दिया जाए। पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखा जाए ताकि यातायात बाधित न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल को मुस्तैद रहना है और उच्चाधिकारियों को पल-पल की सूचना देनी है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राष्ट्रीय लोक अदालत को शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं।

जैविक एवं जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों का हुआ सम्मान



(यंग भारत न्यूज)
माथौगढ़, जालौन। परम श्रद्धेय पूज्यपिता स्व. डॉ. लल्ला सिंह राठौड़ (समाजसेवी) की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी पावन स्मृति को नमन करते हुए श्रद्धांजलि सभा, किसान संवाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जैविक खेती एवं जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाकर बेहतर कार्य करने वाले महिला एवं पुरुष किसानों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में स्व. डॉ. लल्ला सिंह राठौड़ के सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं और उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। परमार्थ के निदेशक 'अनिल सिंह' ने कहा कि बुंदेलखंड की परिस्थितियों में खेती को टिकाऊ और लाभकारी बनाने के लिए किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक कृषि पद्धतियों की ओर बढ़ना

होगा। पानी की कमी, बदलता मौसम और बढ़ती कृषि लागत जैसी चुनौतियों के बीच ऐसी खेती किसानों की आय और खेत की उर्वरता दोनों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। संस्था सचिव 'डॉ. संजय सिंह' ने कहा कि बुंदेलखंड की पहचान केवल उसकी चुनौतियों से नहीं, बल्कि यहां के मेहनतकश किसानों और उनकी जीवदता से भी है। जल संरक्षण, जैविक खेती और पर्यावरण अनुकूल कृषि को बढ़ावा देकर बुंदेलखंड में खेती को अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है। किसानों के अनुभव और स्थानीय ज्ञान को सामने लाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 'रामकृष्ण शुक्ला' ने कहा कि बुंदेलखंड में किसानों के सामने जल संकट, बदलता मौसम और खेती की बढ़ती लागत बड़ी चुनौतियाँ हैं। ऐसे समय में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाना किसानों के लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। किसानों के पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कृषि तकनीकों के समन्वय से खेती को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाया जा सकता है। किसान संवाद के



दौरान 'कृषि, जल संरक्षण, जैविक खेती, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कृषि पद्धतियों' पर सार्थक चर्चा की गई। किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जैविक एवं प्राकृतिक तरीकों को अपनाने से खेती में लागत कम करने, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और विकसित किए हैं। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि बुंदेलखंड में जल, जंगल, जमीन और खेती को एक साथ देखते हुए सामुदायिक प्रयासों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। किसानों की भागीदारी से ही क्षेत्र में टिकाऊ कृषि और जलवायु अनुकूल विकास की दिशा को मजबूत किया जा सकता है। कार्यक्रम में शीतल सिंह सेंगर, अनिल शर्मा (पत्रकार), रामकृष्ण शुक्ला, दीपक अग्निहोत्री (वरिष्ठ पत्रकार), डॉ. संजय सिंह, अनिल सिंह, डीडीएम नाबाई, नरेंद्र सिंह राजावत, सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, किसानों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सम्मानित किसानों में 'शिवकुमार एवं राम बिहारी (मदेपुरा), मंगल कुशवाहा (हुसेपुरा जागीर), गोविंद (हिम्मतपुर), राज कुमार (जाजेपुरा), महेश (जगम्मानपुर), जितेंद्र कुमार (डिकौली जागीर), जगत सिंह (गोपालपुरा), संतोष (सुपारली), अखिलेश एवं सोमवती (मल्हानपुरा), मंजू (महटौली), शांति (शिवगंज कनार) तथा गुड्डा (पचोखरा)' शामिल रहे। सम्मानित किसानों ने जीवामृत, वर्मी कम्पोस्ट, पंचपत्ती काढ़ा, स्प्रिंकलर एवं

ससुरालीजनो पर लगाया मारपीट कर घर से निकालने का आरोप, नाबालिग बहिन से छेड़छाड की भी बात की

(यंग भारत न्यूज)
कोंच कोतवाली क्षेत्र निवासिनी एक महिला ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने तहसीलदार को शिकायती पत्र देकर घटना की शिकायत की है अनुसार घटना 11 सितंबर की रात की है। आरोप है कि ससुर पप्पू, जेट मुबीन, देवर मुजीब व अमीन, जेठानी मुस्कान के भाई हसन सहित अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता का कहना है कि मारपीट में उसके सिर, हाथ-पैर में चोटें आईं और अंदरूनी चोट भी लगी। आरोप है कि घटना के दौरान कुछ मुहल्ले के लोग भी वहां मौजूद थे पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि जब उसकी 14 वर्षीय छोटी बहन अलशिफा उसे खाना देने ससुराल पहुंची तो जेठानी के भाई हसन ने उसे पकड़कर छीनाझपटी की और उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गुप्त अंगों को छुआ। शिकायत में आरोपियों के नशे का आदी होने की बात भी कही गई है। पीड़िता ने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और न्याय दिलाने की मांग की है।



कोतवाली में हुआ थाना समाधान दिवस का आयोजन मौके पर आई 4 शिकायतों में 1 का हुआ निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)
कोंच कोतवाली परिसर में न्यायिक तहसीलदार नसीम अख्तर की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया इस मौके पर कुल चार शिकायती पत्र आए लेकिन मौके पर मात्र एक का ही निस्तारण हो सका शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपकर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे नायब तहसीलदार ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की कोताही न बरते शिकायतों का समय से मौके पर जाकर निस्तारण करें। उन्होंने कहा शिकायतकर्ता को बार-बार चक्कर न लगाना पड़े इस मौके पर क्राइम इंस्पेक्टर कामता प्रसाद, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, उपनिरीक्षक अशोक कुमार वर्मा, लेखपाल दिग्विजय सिंह आदि मौजूद रहे।



खाद के गड्डों पर कब्जा करने को लेकर हो गया विवाद

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। खाद के गड्डों पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कराने की कोशिश और नीम का पेड़ कटवाने की कोशिश किए जाने की शिकायत ग्रामीण ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर की है। तहसील क्षेत्र के ग्राम साँगपुरा निवासी श्रीपाल ने एसडीएम राकेश सोनी को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनके गांव में दलित आबादी में रकबा नंबर 132 खाद के गड्डों के लिए छोड़ा गया था। जिस पर एक नीम का पेड़ भी खड़ा है। लेकिन गांव के ही कुछ लोग इस नीम के पेड़ को कटवाकर खाद के गड्डे की जगह में अपना कब्जा कर निर्माण कराने की कोशिश कर रहे हैं। रोकने पर झगड़े पर आमदा हो जाते हैं। ग्रामीण ने एसडीएम से मामले की जांच कराकर अवैध रूप किए जा रहे कब्जे को रूकवाने की मांग की है।

दैनिक जीवन में मशीनों के वैज्ञानिक सिद्धांतों को मॉडल के माध्यम से समझा

-छात्र छात्राओं में बढ़ी विज्ञान के प्रति रूचि

(यंग भारत न्यूज)
कोंच नगर के एसआरपी इंटर कालेज में शनिवार सुबह आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ की ओर से आयोजित सचल विज्ञान प्रदर्शनी के दूसरे दिन विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रदर्शनी का विषय 'दैनिक जीवन में मशीनें' रखा गया, जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं को रोजमर्रा के जीवन में उपयोग होने वाली विभिन्न मशीनों के पीछे छिपे वैज्ञानिक सिद्धांतों की जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों ने विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। छात्र-छात्राओं ने मॉडल को करीब से देखकर उनके कार्य करने की प्रक्रिया को समझा। विज्ञान संचारकों ने सरल एवं रोचक तरीके से मशीनों के संचालन और उनमें उपयोग होने वाले वैज्ञानिक सिद्धांतों की जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा के



अनुरूप कई सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने उदाहरणों के माध्यम से उत्तर दिये। प्रदर्शनी के दौरान व्याख्यान और फिल्म प्रदर्शन भी किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान की अवधारणाओं को आसानी से समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम का विद्यार्थियों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। मॉडल आधारित जानकारी से छात्रों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और रुचि बढ़ी तथा उन्हें किताबों में पढ़े वैज्ञानिक तथ्यों

को व्यवहारिक रूप में समझने का अवसर मिला। विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष पोरवाल ने कहा कि इस तरह की सचल विज्ञान प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी है। इससे बच्चों को पाठ्य पुस्तकों में पढ़े विज्ञान को वास्तविक जीवन से जोड़कर समझने का अवसर मिलता है। साथ ही उनमें वैज्ञानिक सोच, तर्क करने की क्षमता और नई चीजों को जानने की जिज्ञासा विकसित होती है। प्रदर्शनी में लखनऊ से आए विज्ञान संचारक अंशु कुमार, टेक्निकल सूरज यादव, शिक्षक रमेश कुमार, अरुणीश लोहिया, अतुल कुमार, सुरेंद्र गुप्ता, मानवेंद्र सिंह, नरेंद्र परिहार, उदय चंद्र, रविंद्र कुमार, अनुपम शर्मा, जितेंद्र वर्मा, नंदन कुमार, विजय वर्मा, विवेक द्विवेदी, शैलजा श्रीवास्तव सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे

जीआरपी के एसपी विपुल कुमार ने उरई आकर दिए कड़े निर्देश, त्योहारों पर कड़ी सखे सुरक्षा व्यवस्था



(यंग भारत न्यूज)
उरई। झांसी से आए जीआरपी पुलिस अधीक्षक विपुल कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार दोपहर दो बजे जीआरपी थाने का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने आगामी त्योहारों को देखते हुए रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चाबंद रखने के लिए थाना प्रभारी हेमंत सोलंकी को कड़े निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि ट्रेनों के आने-जाने के समय प्लेटफार्म पर पुलिस बल पूरी तरह सतर्क रहे और यात्रियों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव, दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली और छठ पूजा जैसे बड़े त्योहारों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इसके अलावा झांसी-कानपुर रेलखंड पर अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन भी बढ़ाया गया है। ऐसी स्थिति में रेलवे स्टेशनों, प्लेटफार्मों और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। एसपी ने चेतावनी दी कि ड्यूटी के दौरान किसी प्रकार की घटना होने पर संबंधित पुलिस बल को जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने विशेष रूप से रात के समय और पैसंजर ट्रेनों में महिला यात्रियों की सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने महिला सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए कि झांसी-कानपुर और कानपुर-झांसी मेमू पैसंजर के संचालन के समय प्लेटफार्म पर उनकी मौजूदगी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि महिला यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा या असुरक्षा महसूस नहीं होनी चाहिए। झांसी-कानपुर रेलखंड से गुजरने वाली ट्रेनों में किन्नरों द्वारा यात्रियों से कथित जबरन अवैध वसूली और अभद्रता की शिकायतों पर भी एसपी ने गंभीर रुख अपनाया। उन्होंने जीआरपी और आरपीएफ को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर ऐसे मामलों में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि हाल में लखनऊ-कानपुर के बीच पुष्पक एक्सप्रेस में यात्रियों से मारपीट और अवैध वसूली की शिकायत के बाद कानपुर सेंट्रल और उन्नाव आरपीएफ

- रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बढ़ाई जाए सतर्कता, लापरवाही पर होगी कार्रवाई
- महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर मेमू ट्रेनों में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती के निर्देश
- किन्नरों की अवैध वसूली पर उन्हें सबक सिखाएगी जीआरपी-आरपीएफ
- यात्रियों की छोटी घटनाओं की शिकायतों को भी गंभीरता से लेकर तत्काल काराया जाए निस्तारण

द्वारा आठ किन्नरों के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। निरीक्षण के दौरान एसपी ने आटा स्टेशन पर पिछले महीने की 30 तारीख को मेमू पैसंजर ट्रेन में सवार होने आई विवाहिता आकांक्षा के साथ हुई करीब 10 लाख रुपये की चोरी का भी संज्ञान लिया। घटना का अब तक खुलासा न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि एक सप्ताह के भीतर चोरी का खुलासा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में परिणाम नहीं आने पर कालपी चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस को आसपास के सड़ियों और घटनास्थल से जुड़े लोगों की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए। एसपी ने एस्कॉर्ट ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों से कहा कि ट्रेन में मोबाइल चोरी, यात्रियों के बीच मारपीट अथवा अन्य छोटी घटनाओं की शिकायतों को भी गंभीरता से लें। कई यात्री यात्रा प्रभावित होने के कारण थाने में तहरीर नहीं दे पाते और घटना के बाद अपने गंतव्य तक चले जाते हैं। ऐसी शिकायतों को मौके पर सुनकर आवश्यक कार्रवाई कराई जाए। उन्होंने हवालात के जद्व उद्घाटन को लेकर भी थाना प्रभारी को आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

पहले करो जेव गरम तभी मिलेगी बिजली, किसानो ने लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)
कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम सामी के किसानों ने विद्युत विभाग के एक लाइनमैन पर बिजली आपूर्ति के बदले रिश्तत मांगने का आरोप लगाते हुए शनिवार को शिकायत दर्ज कराई है। किसानों का कहना है कि रिश्तत न देने के कारण उनके ट्यूबवेल पंप कनेक्शनों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं दी जा रही है, जिससे फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि ग्राम सामी में तैनात विद्युत विभाग के लाइनमैन हरिशंकर कुशवाहा विद्युत आपूर्ति के लिए रिश्तत की मांग करते हैं। किसानों के मुताबिक, रिश्तत नहीं देने पर ट्यूबवेलों को महज करीब दो घंटे बिजली दी जा रही है। कम समय तक बिजली मिलने से खेतों की पर्याप्त सिंचाई नहीं हो पा रही है और फसलों को नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। किसानों ने अधिकारियों से मामले की जांच कराकर दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई करने तथा ट्यूबवेलों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की मांग की है। शिकायत के दौरान किसान कपिल महाराज, देवेंद्र सिंह, भरत सिंह, इंद्रपाल सिंह, लखन समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

श्मशान घाट की समस्या को लेकर, ग्रामीणो ने सौपा विधायक को ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)
कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम ब्यूना में श्मशान घाट की उचित व्यवस्था न होने से ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर शनिवार सुबह ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक मूलचंद निरंजन को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक पहल किए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि अंतिम संस्कार प्रत्येक परिवार और समाज की मूलभूत आवश्यकता है। इसके बावजूद गांव में श्मशान घाट की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव में सम्मानजनक एवं मूलभूत सुविधाओं से युक्त श्मशान घाट की व्यवस्था कराया जाना जरूरी है। ग्रामीणों ने विधायक से मांग की कि वह श्मशान घाट की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों के समक्ष मामला उठाएं और जल्द से जल्द स्थायी समाधान कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई कराएं। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी मांग किसी व्यक्ति या विभाग के वित्तीय सुविधाओं से नहीं है, बल्कि ग्रामवासियों को अंतिम संस्कार के लिए सम्मानजनक और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से है। ज्ञापन देने वालों में सागर उपाध्याय, नरोत्तम सिंह, अंशुमान, दिलीप, माताप्रसाद, रणजीत, सत्यम, बृजेन्द्र सिंह, रघुनन्दन, पप्पू पाल, देवेंद्र, रमेशचन्द्र, सुरेश प्रजापति, कलू परिहार, राजेश, शिवम, मंगल सिंह, बलवीर, लोकेन्द्र, महेंद्र, राममोहन, कृष्ण कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।



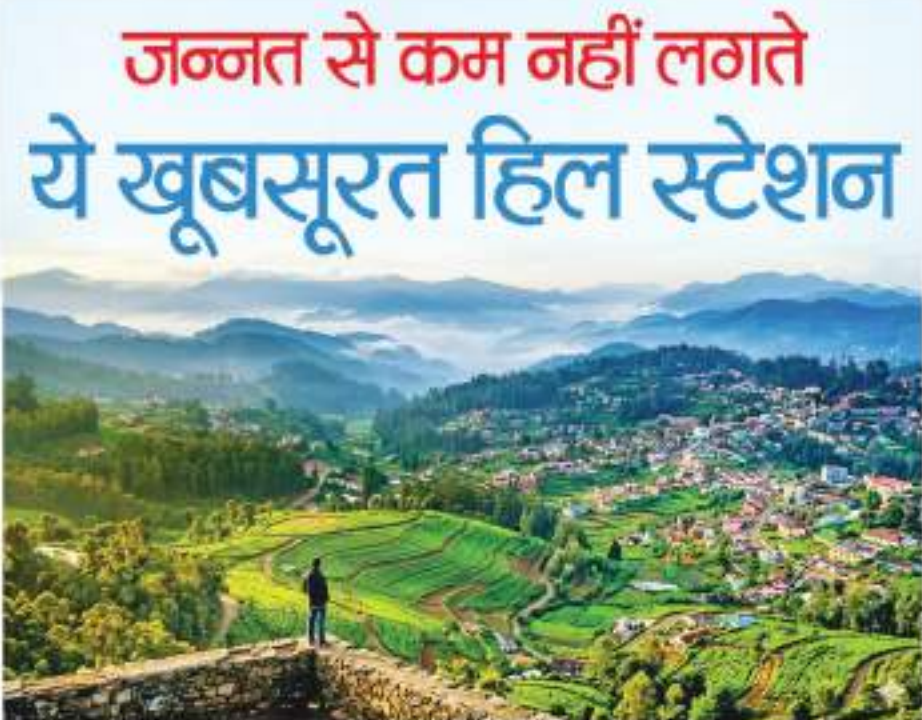
महाविद्यालय की अव्यवस्थाओं को लेकर एबीवीपी ने सौपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)
कोंच मथुरा प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महाविद्यालय में आवश्यक सुविधाओं की कमी और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था न होने के कारण विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि महाविद्यालय में लगे वाटर कूलर पिछले करीब एक सप्ताह से बंद पड़े हैं। इससे विद्यार्थियों को पीने के पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। गर्मी और उमस के बीच पानी की व्यवस्था प्रभावित होने से छात्र-छात्राओं को काफी दिक्कत हो रही है। कार्यकर्ताओं ने वाटर कूलरों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की। इसके अलावा बारिश के कारण महाविद्यालय के मैदान और सीढ़ियों पर काई जम गई है। इससे परिसर में फिसलन बढ़ गई है और विद्यार्थियों के गिरकर चोटिल होने का खतरा बना हुआ है। कार्यकर्ताओं ने परिसर की नियमित सफाई और काई हटवाने की मांग की। विद्यार्थियों का कहना है कि परिसर में जलभराव और गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। ज्ञापन में महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए वाचनालय की व्यवस्था नहीं होने का मुद्दा भी उठाया गया। साथ ही कुछ आवश्यक पुस्तकों के उपलब्ध न होने से पढ़ाई में होने वाली परेशानी से अवगत कराया गया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य से सभी समस्याओं का संज्ञान लेकर जल्द से जल्द समाधान कराने का आग्रह किया, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। इस मौके पर ईकाई उपाध्यक्ष खुशी यादव, रामजी अग्रवाल, कीर्ति श्रीवास्तव, तहलसील संयोजक करन वीर, अभिषेक राठौर, अभिषेक राठौर, प्रिंस राठौर, विकास पटेल, सोनिया प्रजापति आदि उपस्थित रहे।



दौर-साफ़ा
सबूँर चौधरी

विठ होते मानसून के इस मौसम में अगर उमस से राहत और ठंडी हवाओं का साथ चाहिए, तो पहाड़ों का रुख कीजिए। धुंध, हरियाली, झरनों और बादलों से सजे माउंटआबू, चिकमंगलूर, नैनीताल और ऊटी बारिश में भीगकर और भी निखर उठते हैं। यहां का सुहाना मौसम, शांत हरी-भरी वादियां और प्रकृति के अद्भुत नजारे आपकी यात्रा को खादगार बना देंगे।



जन्मत से कम नहीं लगते ये खूबसूरत हिल स्टेशन



काँफी की सुश्रावू से महकता चिकमंगलूर

कर्नाटक के चिकमंगलूर में जब मानसून की बारिश काँफी एस्टेट्स और पश्चिमी घाटी की पहाड़ियों को हरियाली, कोहर से ढंक देती है और हेब्बे, झरी व कल्लाभिगीरी जैसे झरने जोबंत हो उठते हैं, तो कुररत में माने एक अलग ही ऊर्जा का प्रवाह हो उठता है। किसी चर्किया काँफी एस्टेट पर उतरना, सुकड़ उठते ही ताजी बू की गई मलनाड काँफी पीना, बाबा बुदनगिरी पहाड़ियों में ड्राइव करते हुए दिन गुजारना, शिकोलाले झील पर सनना या झरनों की विजिट करना स्वका अपना मजा आता है। बारिश के बीच में स्थानीय व्यंजनों जैसे अक्की रोटी, कदुबू व बीस के शोरबे (तली) का आनंद लेना, आपको यात्रा का एक बेहद सुकुनदायक-आनंददायक अनुभव कराएंगे। हालाँकि यहां मानसून ट्रैकिंग रुट्स का फिसलन भरा व घुमावदार घाट सड़की पर रोशनी कम कर देता है, लेकिन इससे घूमने का मजा कम नहीं होता है। यहां दिन का तापमान १८ डिग्री सेल्सियस से 22 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है और रातों अच्छी खासी ठंडी हो जाती है।

खूबसूरत झील वाला नैनीताल

उत्तराखंड का नैनीताल हालाँकि मई-जून की तुलना में अगस्त-सितंबर के महीने में शांत हो जाता है फिर भी इस दौरान यहां घूमना बेहद रोमांचक अनुभव देता है। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरी सुंदर झील, शांत पुराने कंटेज, बाजार, वॉकिंग ट्रेक्स का जाल, बोटिंग, प्राचीन मंदिरों व हेरिटेज बिल्डिंग्स, इस झील नगर में देखने व एंजॉय करने को बहुत कुछ है। इसके अलावा अगर ट्रैकिंग कर मन है और उगले हुए सूरज को देखना है तो ट्रिफिन टॉप पर जा सकते हैं। पहाड़ी के पीछे से धीरे-धीरे उगते सूरज को देखने का अनुभव अफ कभी नहीं भूल पाएंगे। नैनीताल आकर अगर आपने ट्रिफिन टॉप से उगते हुए सूरज का नजारा नहीं किया, तो मानना होगा कि प्रकृति के सबसे सुंदर स्थलों में से एक के आपने दर्शन ही नहीं किए। इसे देखते हुए मन करता है कि कबसे समय ठहर जाए और इस नजारे को देखते ही रहें।

फेशन टैंड प्रशिक्षण अरोड़ा

कभी फैशन का मतलब हुआ करता था, जो चल रहा है वही पहनना। फिर एक ऐसा दौर आया, जब सेलिब्रिटी ने जो कुछ पहना, बजार में उसी की नकल चल निकली। जब सोशल मीडिया प्रभावी हुआ, तो इंफ्लुएंसर ने जिस नए ट्रेंड का झंझ कर तारीफ किया, अगले दिन कॉलेज कैम्पस में वही स्टाइल खूब दिखने लगा। लेकिन अब युवा इस तरह की पेड़-चाल में नहीं पड़ते। आज का युवा सिर्फ यह नहीं चाहता कि वह ट्रेंड में दिखे, वह दूसरी से अलग भी दिखना चाहता। अब युवा आंध्र प्रदेश इन विकल्पों के पीछे नहीं दौड़ता बल्कि अपनी स्टाइल आईडेंटिटी चुनता है। एक स्टाइल की नहीं करते फैशन: आज के युवा किसी एक स्टाइल को अपनाने की बजाय सप्ताह के अलग-अलग दिनों में अलग-अलग स्टाइल में दिखना पसंद करते हैं। सरल भाषा में कहें तो आज के युवाओं के लिए स्टाइल का यह फैशन स्टाइल ट्राइव है, जिसमें फैशन पसंद, एग्जेंटिक और बिजुअल आईडेंटिटी को एक साथ देखा जाता है। मसलन, जेंटल बुयेन एग्जेंटिक्स में टैलर्ड ट्राउजर, स्ट्रक्चर्ड कोजर, क्रिस्प शर्ट, लोफर्स और पॉलिश एक्सेसरीज शामिल हैं। यहां जेंटल बुयेन फैशन की एक स्टाइल है, जो सेमिस्ट्रिक्ट है और थोड़ी से मेल लाइक भी है। इसे सलीकेदार, स्मार्ट और क्लासिक महिला स्टाइल भी कहा जाता है और यह मूलतः पुरुषों के पारंपरिक फॉर्मल टेलरिंग को महिलाओं की शैली और फिट के साथ मिलाने वाला लुक है।

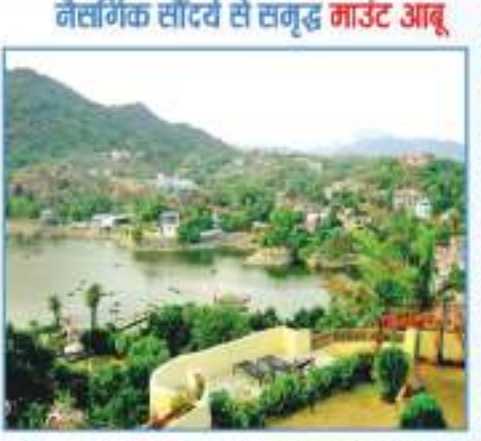
डिजेन टैंड / मोजेज प्रकाश

बॉलीवुड की फिल्मों में शाहरुख की कोई ऐसा पर्व या उत्सव होगा, जिसका जिक्र न हुआ हो। सावन-भादों के महीने की बारिश, उसकी हरियाली, उसमें उमड़ते प्रेम और झूलों की भी कई फिल्मों में अलग-अलग तरह से पेश किया जाता रहा है। झूले सदियों से हमारे जीवन का जिस तरह से अंग रहे हैं, ठीक वही सावन से यह एक समय बॉलीवुड की फिल्मों में छाए रहते थे। हालाँकि अब झूले फिल्मों से गायब हो चुके हैं। दिखता था अलग ही समाज: झूले सिर्फ नायिकाओं के ड्रेसिंग को प्रकट नहीं करते थे बल्कि वे अपने मुख-मुख में इस पर बैठकर गुनगुनाती हुई ऐसे मन की बात बयान करती थीं कि हर युवक-युवकी समझते थे कि वह उनकी ही बात कर रहे हैं। ठंडी हवा, दूर आसमान में उमड़-घुमड़ते बादल, कोयल और दूसरे पक्षियों की मधुर आवाजों के बीच झूले पर झूलती नायिका के मुख से निकलती सुरों की बरखा ने लाखों-करोड़ों दिलों को कभी हल्ला तो कभी झूमने पर बाध्य किया। पर आज ये हिटोले बॉलीवुड फिल्मों से कहीं गायब से हो गए लगते हैं। अब सावन-भादों के महीने में गायबों के संग हवा में उड़ती-सी प्रतीत होती नायिका की अलखेंलियां देखने के लिए पुरानी फिल्मों ही गाय आती हैं। विद्योप-रहस्य को दर्शाते गीत: मानसून का मौसम हो, हल्की-हल्की फुहारें पड़ रही हों और नवाविवाहिता अपने पैर आइ हो तो उसकी सहेलियां जब उसके साथ किसी बाग या खेत में पड़े झूले पर झूलती हुई उससे चुलक करतीं, तो वह बरबस या उठती थी, 'सावन के झूले पड़े, तुम चले आओ...' राखी और अमिताभ पर यह गीत सन 1979 में आई फिल्म 'जुर्मना' में फिल्माया गया था। इस गीत ने बिरह को एक मधुर मिलन की आस का रंग दिया, तो सन 1949 में आई 'बहल' का रहस्यमय गीत 'आभा आने वाला आएगा...' को दर्शाक आग भी नहीं भूल परो। इस गीत में

जन्मत से कम नहीं लगते ये खूबसूरत हिल स्टेशन

नीगी-टंडी वादियों से घिरा ऊटी

मानसून में तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी देखने लायक है। ऊटी में दोनों दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को दर्ज किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए अवकाश का मुख्य केंद्र है। 1842 में बना गवर्नमेंट बोटिंगक्ल हाईडन में जहां पोथों को अनेक देशज व विदेशी प्रजातियां हैं, वहीं एलक हिल की डलान पर चने रोड हाईडन में गुलबों की हजारों वगैरह हैं। झील के किनारे ही डिपर पार्क भी है। अगर आप वाइल्ड लाइफ के शौकीन हैं तो वहां का भी रुख कर सकते हैं।



नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध माउंट आबू

माउंट आबू राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन है, जिसे मानसून की बारिश, धुंध व हरियाली ढंक देती है। इस मौसम में माउंट अबू का रूप ही बदल जाता है। मौसम की ठंडक आपको आर्षित करती है कि आप अचलगढ़ किल्ले के खंडहरों में घूमें, नक्की झील में नौका विहार करें और पहाड़ों के ऊपर बैठते हुए बादलों को देखें या ऐतिहासिक स्थलों जैसे दिलवाड़ा महारों के दर्शन करें। अगर आसमान साफ हो तो सनसेट प्वाइंट बारिश से थुले लैंडस्केप जैसा नजारा प्रदान करता है, जबकि घुमावदार सड़कों और जंगल की डलानें यात्रा के अनुभव में चार चांद लगा देती हैं। इन दिनों माउंट आबू का तापमान 22 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच में रहता है और रात में 17 डिग्री सेल्सियस तक भी गिर जाता है यानी औसत तापमान 19 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच में रहता है। इससे अंदाजा लगा सकते हैं वहां का मौसम कितना खुशनुमा लगता है।



कुछ पसंदीदा फैशन ट्रेन्ड्स: आज के बंगलर्स को कुछ फैशन स्टाइल बहुत पसंद हैं। जेंटल बुयेन- पुरुषों के पहनावे को महिलाओं की शैली में फिटिंग के साथ मिलाने वाला लुक। आर्किविस्ट- स्विट्ज़, ट्रेडो और अवैकल फैशन को आज के तरीके से पहनना। थोहो बट्टी- अर्ध कलर्स वाली मिड्री और प्रकृति से जुड़े रंग के खुले-खुले, लोल-डाले कंफर्टेबल ड्रेस। स्टूटवियर ट्राइम्स- ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, स्वीकर्स, कागें, हुडीज और ग्राफिक एलमेंट। मिनिमलिस्ट-कम रंगीन, क्लीन स्लाइड्स और सिंपल एक्सेसरीज तथा टाइमलेस पोसेज। देसी फ्यूजन- इसमें इंडियन ड्रेसिंग के साथ वेस्टर्न आउटफिट्स को कैरी किया जात है।



महानगरों में सोशलइजेशन के नए ठिकाने बनते रनिंग क्लब

हाल के दिनों में महानगरों के पार्कों में सुबह के समय रनिंग क्लब से जुड़कर दौड़ते युवा एक नए सामाजिक बदलाव की तस्वीर पेश कर रहे हैं। रनिंग क्लब फिटनेस के साथ-साथ दोस्ती, नेटवर्किंग और सामुदायिक जुड़ाव का नया मंच बन रहे हैं।

न्यू लाइफस्टाइल दिव्य कुमार

रविवा की सुबह के 6 बजे हैं। दिल्ली के लोधी गार्डन, मुंबई के मरीन ड्राइव, बैंगलूर के कम्बन पार्क और हैदराबाद के केबीआर पार्क में सैकड़ों युवा एक साथ दौड़ते दिखाई दे रहे हैं। दौड़ खत्म होने के बाद कोई कभी पर चर्चा कर रहा है, कोई अगले मैराथन की योजना बना रहा है और कोई नए दोस्तों के साथ तस्वीरें साझा कर रहा है। यह दृश्य बताता है कि भारत के बड़े शहरों में 'रनिंग क्लब' अब केवल फिटनेस की जगह नहीं रहे, बल्कि युवाओं की नई सोशल लाइफ बन चुके हैं। नया सोशल मीटिंग प्वाइंट: जिस तरह एक समय कैफे, मॉल और पब युवाओं के मिलने-जुलने के प्रमुख ठिकाने हुआ करते थे, उसी तरह अब रनिंग ट्रैक और पार्क नई पीढ़ी के सामाजिक मिलन का केंद्र बन रहे हैं। दरअसल कोविड-19 महामारी के बाद लोगों की रोजमर्रा की जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। घर से काम, लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना और सीमित सामाजिक संपर्क ने युवाओं को ऐसे गतिविधियों की तलाश करना सिखा दिया है, जहां स्वास्थ्य भी सुधरे और लोगों से जुड़ने का अवसर भी मिले। रनिंग क्लबों ने इस जरूरत को बहुत अच्छी तरह से पूरा किया है। यहां कोई सदस्यता शुल्क नहीं है, कोई औपचारिकता नहीं है और न ही किसी विशेष फिटनेस को अनिवार्यता है। बस खेल भावना और निर्यातता चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि निर्यात दौड़ तनाव कम करने, अच्छी नींद पाने और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इसलिए भी कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम करने वाले युवा सप्ताह भर के तनाव को कम करने के लिए वीकेंड को सुबह रनिंग क्लबों का हिस्सा बन रहे हैं।



बढ़ती है सोशल नेटवर्किंग: मौजूदा समय में हमारे महानगरों में नौकरी और अन्य कार्यों से लाखों युवा अकेले रहते हैं, उनके लिए नए दोस्त बनाना आसान नहीं है। ऐसे में रनिंग क्लब उनकी इस कमी को पूरा करते हैं। दौड़ के दौरान होने वाली बातचीत, समूह अभ्यास और सप्ताहांत की गतिविधियां उन्हें एक-दूसरे के साथ जोड़ती हैं। आज कई स्टार्टअप करते हैं। इन रनिंग क्लबों में स्पॉट्स म्यूटेशन, फिटनेस टेक्नोलॉजी, विवरबल डिवाइस और कम्प्यूटरी हेल्थ से रिलेटेड प्रोग्राम और लोग भी जुड़ते हैं। इसलिए इन क्लबों का चार्ज दिन पर दिन बढ़ रहा है। महिलाओं की बढ़ी भागीदारी: पहले सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की दौड़ सीमित दिखाई देती थी। लेकिन इन रनिंग क्लबों में महिलाओं की अच्छी-खासी भागीदारी देखी जा रही है। अनेक शहरों में महिला रनिंग ग्रुप भी सक्रिय हैं। ये समूह महिलाओं को सुरक्षित यातायात, प्रेरणा और निर्यात अत्यास का अवसर देते हैं। कई महिलाओं ने इन रनिंग क्लबों के माध्यम से न केवल अपना स्वास्थ्य सुधारा है बल्कि अपने अत्यविश्वास को भी बढ़ाया है। निष्कर्ष है सामाजिक जिम्मेदारी: रनिंग क्लब दौड़ के माध्यम से लोगों को हेल्थ के प्रति अवैध तो करते ही हैं, साथ-साथ रक्तदान शिविर, पर्यावरण सुरक्षा अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम और ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण आदि। ये इन रनिंग क्लबों के माध्यम से न केवल अपना स्वास्थ्य सुधारा है बल्कि अपने अत्यविश्वास को भी बढ़ाया है। निष्कर्ष है सामाजिक जिम्मेदारी: रनिंग क्लब दौड़ के माध्यम से लोगों को हेल्थ के प्रति अवैध तो करते ही हैं, साथ-साथ रक्तदान शिविर, पर्यावरण सुरक्षा अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम और ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण आदि। ये इन रनिंग क्लबों के माध्यम से न केवल अपना स्वास्थ्य सुधारा है बल्कि अपने अत्यविश्वास को भी बढ़ाया है।

यंगस्टर्स इसलिए पसंद करते हैं रनिंग क्लब

- फिटनेस बहिर्द्वितीय अकेले में करना जकार लैकिक समुद्र में अवकाश बहुत होता है।
- हलते वही दोस्त क्लबों के जव प्रोफेशनल नेटवर्किंग को बढ़ाने में मदद करता है।
- हलते लख और ओवरलैप से राहत मिलती है।
- इन रनिंग क्लबों के जरिए मैराथन दौड़ को वैश्विक लैकरी तो जरूर है।
- रेले रनिंग क्लबों में रनिंग जैको को भी अच्युत लैकरी मिलता है।
- इन रनिंग क्लबों के जरिए तब सर्व में विविध और प्रकृति लाइफ करव लेता है जव है।

सावन-भादों का महीना, कजरी तीज के अवसर पर एक समय तक गावों-कस्बों में झूलों की बरफ छा जाता करती थी। बीते दौर की फिल्मों में भी कई ऐसे खादगार गीत रचे गए, जो झूलों पर केदित थे। ऐसे ही कुछ सदाबहार गीतों और फिल्मी दृश्यों पर एक नजर।

फिल्मों में अब नहीं दिखती झूमते झूलों की बहार



नायिका मधुबाला झूले पर कभी बैठी हुई नजर आती हैं, तो कभी खाली झूला हवा में लहराता हुआ, संगीत को इस तरह से बिखेरता है कि मन वहीं ठहर सा जाता है।



गीत का माइलस्टोन झूला गीत: सन 1952 में आई मूवी 'वैजू बाबा' का गीत, 'झूले में पवन के आई बहार' आज भी माइलस्टोन माना जात है। मोहम्मद रफी तथा लता



मंगेशकर की चहकती आवाज में गाए इस गीत की एक-एक लाइन बरखा बहार की तरंगों में समाहित कर देती है। नायिका का कहना, 'ओ दोले मन मोठा सजना, चुनरीया बार-बार हलके, झूले में पवन के आई बहार' और 'नायक' का- 'मोरी तान से ऊंचा तेरा झूलना गोरों, तू है जीवन संगार प्यार हलके...' बस यही पर ठहर जाती है, दो प्रेमियों को दुनिया और उनके सपने। लोकप्रिय हुआ यह फिल्मी कजरी गीत: सावन-भादों के महीने से ही त्योहार आने आरंभ होते हैं और नवविवाहिता अपने पौहर में आती हैं। वहां पर वे अपने बिरह को, अपने प्रियतम को याद करने के लिए जिस एक्चेंट को तलाशती हैं, वह उन्हें कभी कलम की खर पर, कभी अंग की तो कभी नीम की और कभी-कभी आंखों में देहरी पर पड़े झूलों पर ही मिलती है। इन पर बड़ी संख्या में गीत रचे गए हैं। इनमें से कई आज भी खूब गाए-गुनगुनाए जाते हैं। इन कुछ गीतों में वृज का प्रतिनिधित्व करने वाला वहां का लोकेशन में रंगा गीत आज भी हर किसी को पसंद है। चंद्रगो मुखर्जी तथा सुशील कुमार के आवाज में यह गीत है, 'झूल तो पड़ गए अमृता की झल पे जी, ये जी कौन राधा को गोपाला बिन राधा को, झुलावे झूला कौन...' वर्ष 1982 में आई फिल्म 'वृज भूमि' में शामिल

यह गीत असल में कजरी गीत है और मूवी में आने से पहले ही ब्रज क्षेत्र में गाए जाने वाले गीतों में प्रमुख बन गया। ये गीत भी किए गए खूब पसंद: फिल्मों में शामिल झूला गीतों में फिल्म 'निहाल' का 'सावन के झूलों ने मुझको बुलाया, मैं परदेसी घर वापस आया', 'सरगम' का 'सावन बौती जाव पिरवा' तथा 'दामिनी' का 'बिन साजन झूला झूलू, मैं वाद कैसे भूलू' भी हैं। मनेज कुमार तथा जीनत अमान की फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' में पहले ही कुछ दूरय हो पर जब जीनत अमान झूले पर बैठकर, येने बढ़ती हुई कहती हैं- 'हाय-हाय ये मजबूरी, ये मौसम और ये दुर्ग...', कितने सावन बैठ गए, वैठी हूं आस लगाए', जिस सावन में थिले सजन्ता को सावन कब आए, कब आए' को लगता है कि सच में कोई बिरहणी अपने प्रेमी को याद कर रही है। फिल्म 'बहु बेगम' का 'पड़ गए झूले, सावन रत आवी रे', 'दो बीजा जमीन' का 'हरियाला सावन खेल बजाता अरब', सन 1966 की 'देवर' फिल्म का 'झूला किनारों पे' तथा निथुन चक्रवर्ती की फिल्म 'गंगा की कसम' का 'बनने रे बाग में झूला घाल्या' आज आज भी सुना जाता है। झूला नाम पर कैदित फिल्मों कीलुड के कुछ फिल्मकारों ने तो झूला नाम पर भी फिल्में बनाई हैं। सन 1941 में लीला चिटनिस और अशोक कुमार के आंखों में देहरी पर पड़े झूलों पर ही मिलती है। इन पर बड़ी संख्या में गीत रचे गए हैं। इनमें से कई आज भी खूब गाए-गुनगुनाए जाते हैं। इन कुछ गीतों में वृज का प्रतिनिधित्व करने वाला वहां का लोकेशन में रंगा गीत आज भी हर किसी को पसंद है। चंद्रगो मुखर्जी तथा सुशील कुमार के आवाज में यह गीत है, 'झूल तो पड़ गए अमृता की झल पे जी, ये जी कौन राधा को गोपाला बिन राधा को, झुलावे झूला कौन...' वर्ष 1982 में आई फिल्म 'वृज भूमि' में शामिल

